सत्यमेव जयते

Rajbhawan Uttarakhand-Information Wing

Governor greets people on Swami Vivekananda Jayanti(National Youth Day)

Rajbhawan Dehradun 11th January, 2018

Governor Dr.K.K.Paul has greeted the people of the state, especially the youth, on the occasion of the birth anniversary of the great philosopher and thinker, Swami Vivekananda.

In his message issued on the eve of the Jayanti, the Governor said that this day was observed as National Youth Day and this was a true homage towards the views and vision of the Swami. "On this occasion, we must reiterate our resolve to follow the path he showed us through his philosophy and intellect."

He said that the principles and spirituality of Swami Vivekananda were a constant source of inspiration for youth. "He taught that hard work, patience, purity of thought and conduct and compassion could help us achieve our goals ."

The Governor said that our culture envisaged respecting our revered teachers and our traditions. We must contribute to nation building while honouring our culture.

"A synthesis of spirituality, knowledge and material resources will help our youth to establish India as a Global Power ."

--------0-------

राष्ट्रीय युवा दिवस-स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस पर राज्यपाल का बधाई संदेश

राजभवन देहरादून 11 जनवरी, 2018

उत्तराखण्ड के राज्यपाल डा0 कृष्ण कांत पाल ने महान विचारक तथा युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस पर राज्य के सभी नागरिकों विशेषतः युवाओं को बधाई एवं शुभकामनायें दी है।

स्वामी विवेकानंद जयन्ती की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा है–

''देश के महान युवा विचारक का जन्म दिन **'राष्ट्रीय युवा दिवस'** के रूप में मनाया जाना उनके प्रति विनम्र श्रद्धा–स्मरण तथा उनके विचारों को अपने आचरण–व्यवहार में लाने का संकल्प दिवस है। उनके महान जीवनदर्शन, सिद्धान्त, अध्यात्मिक विचार व आदर्शों में युवाओ को प्रेरित और पोषित करने की असीम शक्ति है। कठिन परिश्रम, धैर्य, सहिष्णुता, आचरण की शुद्धता, निष्पक्षता तथा स्नेह भाव से युवा अपने लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा है कि गुरूजनों व श्रेष्ठ परम्पराओं का सम्मान करना हमारी संस्कृति है। इस संस्कृति का सम्मान करते हुए समाज के कल्याण व राष्ट्रनिर्माण में अपना योगदान करें। आध्यात्म, ज्ञान तथा भौतिक सम्पदा के समन्वय से संपन्न युवा शक्ति भारत को **'विश्व शक्ति'** के रूप से स्थापित कर सकती है।

––0––

Assistant Director , Rajbhawan Uttarakhand Mob. 7055007012 Tele fax: 0135 - 2756172